मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)

अ.प्र. राजपत्रित अधिकारी

ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

30, सिविल लाइन्स

रूड़की-247667 (उत्तराखण्ड)

मोबाइल : 09760111555

क्यों पहनते हैं अनामिका उंगली में वैडिम रिंग

रत्न-उपरत्न और विशेष रुप से वैडिंग रिंग अथवा अलंकरण के रुप में प्रयोग की जाने वाली अंगूठियों के विषय में विवेचनात्मक, तार्किक, वैज्ञानिक, ज्योतिषीय, आयुर्वेदिक, एक्यूप्रेशर आदि दृष्टिकोणों से अलग-अलग तर्क भी दिए जाते हैं। अलंकरण के अलावा किसी न किसी रुप से अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए विश्व स्तर पर इनका प्रयोग अनादि काल से होता रहा है।

कौन सी उंगली में कौन सा रत्न धारण किया जाए, इसका भी वैज्ञानिक आधार खोज लिया गया है। अनुसंधानों से यह तथ्य भी उजागर हुआ है कि जीवन में ग्रह-नक्षत्रों से जब असन्तुलन बना है, व्यक्ति ने कष्ट, व्याधि आदि भोगे हैं और उसके जीवन में अराजकता आई है।

क्रिलियोंन फोटोग्राफी से अब यह तथ्य उजागर हो गया है कि ग्रहों के समान रंग शरीर से प्रवाहित होने वाले प्रभामण्डल अर्थात आभामण्डल के भी होते हैं। उंगलियों के विश्लेषणात्मक गहन अध्ययन से पता चला है कि तर्जनी उंगली के अग्रभाग से नीलवर्ण प्रभा निरन्तर प्रवाहित हो रही है। इसी प्रकार मध्यमा से बैंगनी, अनामिका से रक्तवर्ण, कनिष्ठिका से हरितवर्ण प्रभा निरन्तर प्रवाहित हो रही है। शरीर में किसी भी वर्ण की न्यूनता अथवा अधिकता से ग्रह-नक्षत्रों द्वारा प्रवाहित प्राकृतिक विभिन्न वर्णों में असन्तुलन स्थापित होने लगता है। तदनुसार शरीर नाना

प्रकार से कष्ट भोगने लगता है। रंगों की क्षतिपूर्ति का एक विकल्प रत्न भी हैं। उंगलियों से प्रवाहित वर्णानुसार उन रंगों के ग्राह्य गुण सम्पन्न रत्नों को इसीलिए धारण करवाने का विज्ञानसम्मत प्रचलन है तदनुसार अधिकतम रंग शरीर द्वारा शोषित हो और उनका आकाशमण्डलीय ग्रह-नक्षत्रों के वर्णानुसार सन्तुलन अथवा सामंजस्य बना रह सके।

अनामिका ऊँगली के महत्व को कोंकोर्डिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पहचाना है । उन्होंने दावा किया है कि श्रम , धन और विशेष रूप से लड़की के दिल में स्थान बनाने के लिए इस ऊँगली से यदि पहले परख कर लेते हैं तो बहुत अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। व्यक्तित्व को प्रभावित करने में तो इस ऊँगली का विशेष योगदान है । एक अकेली यह ऊँगली हमारा सारा जीवन प्रभावित कर देती है । यदि इच्छाशक्ति के धनी अर्थात पक्के इरादे वाला इन्सान को तलाशना है तो इस ऊँगली के सहारे आप उसे सरलता से परख सकते हैं। विश्व स्तर के अनेक बौद्दिक वर्ग के लोगों ने इसलिए इस ऊँगली को रिंग के लिए सर्वाधिक शक्तिशाली माना है।

अनामिका उंगली में अंगूठियों का प्रयोग किया जाना व्यापक रुप से देखने को मिलता है। शरीर की 72000 नाड़ियों में से अकेले अनामिका उंगली के नीचे स्थित सूर्य पर्वत का सीधा-साधा सम्बध ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हृदय से है। लड़के-लड़की, प्रेम प्रसंग, विवाह आदि विषय वस्तुतः दिल से ही तो जुड़े हुए हैं। सूर्य पर्वत की उंगली आत्मा की भी कारक है। दो दिलों के भावात्मक और आत्मिक पहलुओं को देखते हुए भी इसीलिए अधिकांशतः अनामिका उंगली में अंगूठी धारण करने की परम्परा है।

जो कोई भी चर्चित विचारधारा इस विषय को लेकर आज हमारे सामने आती है उन सब में चीनी मान्यता में वैडिंग रिंग को अनामिका उंगली में पहनने को लेकर बहुत ही रोचक और तार्किक तर्क दिए जाते हैं। व्यवहारिक रुप से एक मान्यता को तो सबसे अलग बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया गया है। मान्यता है कि व्यक्ति का अंगूठा माता-पिता का द्योतक है। मध्यमा अर्थात बीच की उंगली स्वयं व्यक्ति का कारक है, तर्जनी उंगली भाई बहनों को दर्शाती है, कनिष्ठिका बच्चों की कारक है और अनामिका उंगली से जीवन साथी, प्रेम प्रसंग, मनःस्थिति, आत्मिक संबंध आदि का बोध करवाया जाता है।

पांचों उंगलियों को परस्पर उनके प्रथम पोर के अग्रभाग से हल्के से मिला लें। मध्यमा उंगली को, जो कि स्वयं की कारक है इस प्रकार से मोड़ लें कि उनके पृष्ठ भाग एक दूसरे को छूने लगे। विभिन्न सम्बन्धों को बताने वाली उँगलियों को अब धीरे से एक दूसरे से अलग करें। माता-पिता के सम्बधों वाला अंगूठा सरलता से अलग हो जाएगा, फिर-जुड़ जाएगा। इसी प्रकार

तीनों अन्य सम्बंधों वाली उँगलियॉ भी सरलता से अलग होकर खुल जाएंगी और जोड़ने पर पुनः जुड़ जाएंगी। जीवन साथी को दर्शाने वाली उँगलियों को अब जरा अलग करके देखिए। पसीने छूट जाएंगे, परन्तु यह अलग नहीं होंगी। जीवन साथी, प्रेम प्रसंग आदि का सम्बन्ध कहते हैं, जन्म-जन्मांतरो का होता है, फिर वह कैसे अलग हो जाएगा। इसीलिए संबंधित रिंग इस उंगली में धारण करवाते है कि दोनों में परस्पर भावनात्मक तथा आत्मिक रुप से स्थाई संबंध बना रहे।

मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)

अ.प्र. राजपत्रित अधिकारी

ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

30, सिविल लाइन्स

रूड़की-247667 (उत्तराखण्ड)

मोबाइल : 09760111555